1 अपना देश

1. नीचे कविता की कुछ पंक्तियां लिखी हुई हैं। उन्हें पढ़ोः

अलग अलग पहनावों वाला

रंग–ढंग विश्वासों वाला

अलग बोलियों–भाषा वाला

रीति–रस्म रिवाजों वाला

अब नीचे लिखी पंक्तियों को पढ़ोः

हमारे देश में अलग–अलग तरह के पहनावे पहने जाते हैं।

लोग अलग–अलग तरह से सोचते–समझते हैं और अलग–अलग तरह की बोलियां और भाषाएं बोलते हैं।

हमारे देश में रहने वाले लोग अलग–अलग तरह की रीतियां, रस्म और रिवाजों को मानते और अपनाते हैं। (जैसे कुछ त्यौहार केवल उत्तर भारत में मनाए जाते हैं। दक्षिण भारत में कुछ अलग त्यौहार मनाए जाते हैं। हिन्दू होली मनाते हैं। मुसलमान ईद मनाते हैं।)

शिक्षक वह बच्चों के साथ कविता को लय के साथ पढ़े/गाए और उसके बाद गाने पर बात करे। उस कविता के अर्थ पर बातचीत करे।
देश की विशेषताओं पर बातचीत करे कि, भारत देश में अनेक धर्मों और संप्रदायों के लोग रहते हैं और अलग–अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की भाषा और रीति रिवाजों में भी भिन्नताएं हैं।

ऊपर लिखे दोनों अंशों के लिखने के तरीके में तुम्हें क्या कोई फर्क नजर आता है ? अगर हाँ तो बताओ क्या फर्क है ?

.....

.....

.....

2. अब नीचे दी गई पंक्तियों का अर्थ अपनी भाषा में लिखने की कोशिश करो :

मंदिर–मस्जिद–गिरजों वाला

गढ़ कोटों कंगूरों वाला

सीधे–साधे गांवों वाला

लम्बे–चौड़े शहरों वाला

यह हम सबकी शान है

.....

.....

.....

.....

.....

3. कविता को पढ़कर उसमें से तुक मिलाने वाले शब्दों को खोजो। तुम्हारी मदद के लिए दो शब्दों की तुक मिलाई गई है :

शान– महान

जंगल– मंगल

.....

.....

.....

4. तुम्हारे दोस्त किस–किस धर्म को मानने वाले हैं ? उनके नाम लिखोः

.....

.....

.....

5. कविता में हमारे देश की जो विशेषताएं बतायी गई हैं। उनमें से कुछ को नीचे दिया गया है।

हमारे देश में अलग–अलग बोलियां और भाषाएं बोली जाती हैं।

हमारे देश में खूब–सारे ऊंचे पहाड़ और मैदान हैं।

खूब सारे खेत–खलिहान हैं। बड़े बड़े जंगल और मरुस्थल हैं।

ये तो हुईं देश की विशेषताएं। अब तुम इसी तरह की कुछ बातें अपने गांव के बारे में लिखोः

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2 भोलू और लोभू

1. **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़ो और उनको पाठ में खोजो :**

''इन्हें हवेली के तीनों भंडारों में ले जाओ।''

''आपको नौ मिनट का समय दिया जाता है।''

''यह सोचकर वह वस्त्र वाले कमरे में गया।''

''भाई! समय पूरा हो गया है।''

इन वाक्यों को एक आगे और एक पीछे के वाक्य के साथ नीचे लिखो। उदाहरण के लिए एक वाक्य लिख दिया गया है।

क) **सेठ ने उनकी दशा देखकर अपने नौकर को बुलाया और कहा** ''इन्हें हवेली के तीनों भंडारों में ले जाओ।'' **फिर सेठ ने उनको जाते देखा और कहा।**

ख) .....

.....

ग) .....

.....

घ) .....

.....

2. **तुमने अपने आस–पास लोगों को भीख मांगते देखा होगा। लोग मांगते क्यों हैं ? सोच कर बताओ :**

.....

.....

.....

3. लोभू मिठाई, वस्त्र और सोना–चांदी क्यों नहीं ले पाया ? तुम क्या सोचते हो ?

.....

.....

.....

4. भोलू और लोभू की कहानी तुमने पढ़ी, इस कहानी को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। नीचे एक तरह से कहानी को आगे बढ़ाया गया है। इसे पढ़ो :

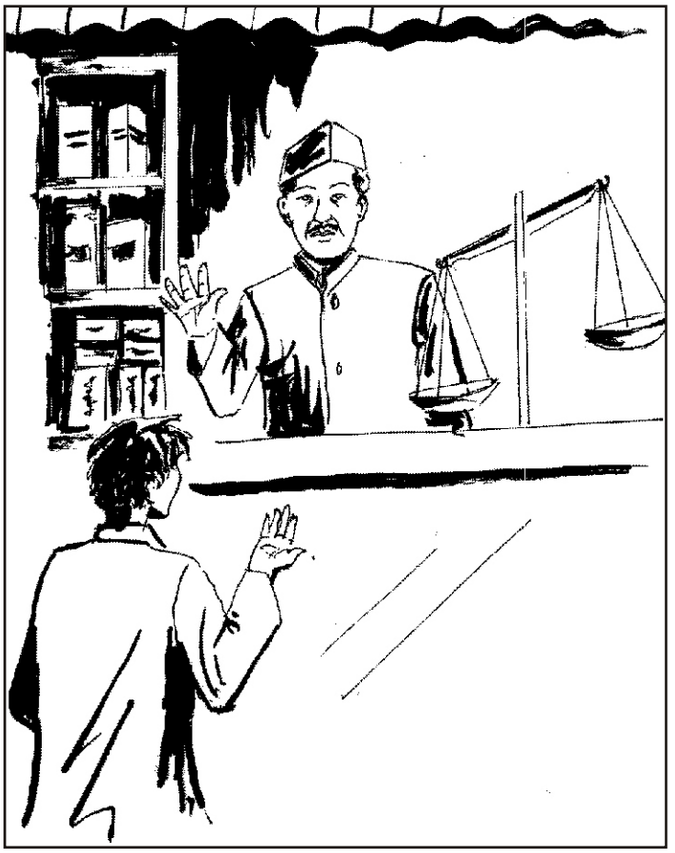

लोभू और भोलू जब सेठ की दुकान से बाहर निकले, लोभू को जोर की भूख लगी। भोलू ने लोभू को सेठ के यहां से ली गई मिठाई दे दी। इसके बाद दोनों बाजार घूमने निकले। रास्ते में उन्हें एक गरीब आदमी मिला। उसने लोभू से खाने के लिए मांगा। लोभू ने उसे अपनी मिठाई में से कुछ हिस्सा दे दिया और सेठ के यहां जाने का रास्ता बता दिया। और यह भी बता दिया कि वह सेठ के यहां से कैसे ज्यादा सामान ले सकता है। वह गरीब आदमी सेठ के यहां गया और कुछ खाने को मांगा। लेकिन सेठ ने उसे भगा दिया। क्योंकि उस दिन का दान वह दे चुका था, और वह अपना कारोबार शुरू कर चुका था।

अब तुम इस कहानी को और आगे बढ़ाओ :

.....

.....

.....

3 शिष्टाचार

पाठ से पूर्व

नीचे एक बच्चे मिंकू की अपनी बात लिखी हुई है। इसको ध्यान से पढ़ोः

माँ तुम तो कहती हो कि हमें स्वतंत्रता मिल गई। पर मैं जब आज भैया के कोट से फाउंटेनपेन निकालकर फर्श पर लिखने लगा तब तुम नाराज हो गईं और कलम छीन ली।

और जब रात को मैंने गरम दूध न पिया तब तुमने डांटकर कहा 'पी नहीं तो एक तमाचा लगेगा' और कटोरा मुंह से लगा दिया।

जब मैं सवेरे सड़क पर खेलने चला गया तब तुमने भैया से पकड़ मंगवाया और कहा कि सड़क पर गया तो टांगे तोड़ दूंगी। भला यह भी कोई आजादी है ?

आज सवेरे मैंने जब पैंट पहनने से इन्कार कर दिया और कहा कि मैं नंगे ही खेलूंगा, तब तुमने मुझे जबरदस्ती पैंट पहना दिया।

मैं जब भैया की तस्वीरों वाली मोटी पुस्तक को ध्यान से देखने लगा तब तुमने मुझसे पुस्तक छीन ली और मुझे डांटा। मैंने उसमें से एक ही तस्वीर तो फाड़ी थी।

मैं जब बाबूजी की दवात की स्याही से अपनी कमीज को रंगकर झण्डा बनाने लगा तब तुमने दो तमाचे जड़ दिए। क्या तुमने मेरे झण्डे का अपमान नहीं किया ?

जब मैं रोने लगा तब तुमने चिल्लाकर कहा 'रोएगा तो एक तमाचा और लगाऊंगी' क्या मुझे रोने की भी आजादी नहीं है ?

ठहरो, मैं अभी जवाहर लाल जी को चिट्ठी लिखता हूं कि आप कहते हैं कि आजादी मिल गई, लेकिन मुझे तो रत्ती भर भी आजादी नहीं। आप अम्मा को लिख दीजिए। जिससे वे मुझे आजादी दे दें।

हरिशंकर परसाई

और अब मिंकू के सवालों के जवाब दो :

1. सुन्दर किताब के चित्रों वाले पन्ने मुझे अच्छे लगते हैं, उसमें से एक ही पन्ना तो मैंने लिया था। माँ ने मुझे क्यों डांटा ?

.....

.....

.....

.....

2. अपने देश का एक झंडा है। मैंने भी अपना एक झंडा बनाना चाहा था। तो माँ ने मेरी पिटाई क्यों की ?

.....

.....

.....

अब पाठ को पढ़कर नीचे के सवालों के जवाब दो :

1. मगन अपने से बड़ों के साथ आदर और सम्मान के साथ बात करता है। क्या छोटों और बराबर वालों के साथ आदर और सम्मान के साथ बात नहीं करनी चाहिए ? बताओ :

.....

.....

.....

2. मान लो कि एक आदमी सबके साथ झगड़ा करता है और बुरा भला कहता है। लेकिन वह तुमसे उम्र में बड़ा है। क्या तुम उसका सम्मान करोगे ?

.....

.....

.....

.....

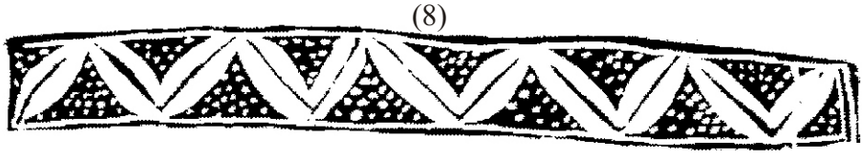

3. तुमने दो कहानियाँ पढ़ीं। एक मगन की और एक मिंकू की।

तुम किसे अपना दोस्त बनाना चाहोगे ? और क्यों ?

....

....

....

....

मगन और मिंकू में से तुम्हारे जैसा कौन है ? और क्यों ?

....

....

....

....

4. बताओ इनमें से कौन–कौन तुम्हारे साथ सम्मान से बात करता है ? उनके आगे सही (✓) का निशान लगाओ। और जो नहीं करता है उनके आगे (×) का निशान लगाओ :

(क) तुम्हारे पिताजी	
(ख) तुम्हारी माताजी	
(ग) तुम्हारे चाचाजी	
(घ) तुम्हारे गुरूजी	
(ङ) तुम्हारी बड़ी बहन	
(च) तुम्हारा छोटा भाई	
(छ) तुम्हारा पड़ोसी	
(ज) तुम्हारे दोस्त	

4 पत्थर पर बने निशान

1. किताब में बने चित्र को देखकर बताओ :

(क) वरदराज के आश्रम में कितनी लड़कियां गुरु जी से पढ़ रही हैं ?

.....

.....

(ख) तुम्हारी कक्षा में कितनी लड़कियां पढ़ती हैं ?

.....

.....

(ग) अब दूसरे चित्र में पानी खींचने वालों में देखो कि कितने पुरुष हैं ?

.....

.....

(घ) तुम्हारे घर में पानी भरने का काम कौन–कौन करता है ?

.....

.....

2. 'यह सुनकर वरदराज सोचने लगा, कोमल रेशों से बनी रस्सी की रगड़ से कठोर पत्थर पर इतने गहरे निशान पड़ सकते हैं तो लगातार कठोर परिश्रम करके मैं पढ़ना–लिखना क्यों नहीं सीख सकता ?'

ऊपर लिखे वाक्य पाठ से लिए गये हैं। इनसे वरदराज के बारे में कुछ बातें पता चलती हैं :

वरदराज किसी चीज को देखकर समझ सकता हैं।

वरदराज को विचार करना आता है।

वरदराज अपने अनुभव से सीख सकता है।

उसे निर्णय लेना आता है।

पाठ से पूर्व

पुराने जमाने के आश्रमों (स्कूलों) के बारे में कुछ बातें बताने के क्रम में बच्चों को कहानी मौखिक रूप में सुनाएं और उस पर बातचीत करें। बताएं कि आजकल की तरह स्कूल और शालाओं की जगह पहले गुरु जंगल के आस–पास कुटी बना कर रहते थे। उसे आश्रम कहते थे। छात्र भी गुरु के साथ ही वहीं आश्रम में रहते थे। सभी मिलकर आश्रम के सारे काम निपटाते थे। अपने लिए खेती आदि भी वे सब छात्र मिलकर करते थे।

अगर आस–पास कोई कुंआ हो तो उसकी जगत पर बने निशान भी दिखा सकते हैं।

बच्चों से इस मुद्दे पर भी बात करें कि बार–बार अभ्यास करने से कोई भी काम करना सरल हो सकता है।

अब बताओ क्या गुरुजी का उसे घर भेज देने का निर्णय सही था ? सोचकर जवाब दो :

.....

.....

.....

.....

.....

3. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें जो शब्द बेमेल हैं, उन पर घेरा लगाओ :

जैसे– कुंआ, रस्सी, (विद्‌वान,) बाल्टी, जगत

आश्रम, गुरु, विद्यार्थी, कोमल, अभ्यास

पिता, आदमी, चेला, गुरुजी, लड़की

4. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ पढ़ो :

आश्रम – वह जगह जहां पुराने समय में साधु–संत रहते थे और बच्चों को शिक्षा देते थे

आत्म विश्वास – अपनी ताकत और योग्यता पर भरोसा

जिज्ञासा – कुछ नया जानने की इच्छा

विद्‌वान – पढ़ा–लिखा समझदार व्यक्ति

संकल्प – मन में किसी बात को तय करना

यत्न – कोशिश करना

ऊपर दिए गए शब्दों को अब नीचे के वाक्यों में इस्तेमाल करो :

1. उसके चेहरे पर ..... की झलक थी।
2. मेरे मन में आश्रम के बारे में जानने की ..... हुई।
3. मैंने उसे बचाने के कई ..... किए।
4. गौतम बुद्‌ध नाम के ..... व्यक्ति हुए हैं।
5. वरदराज यह सोचकर ..... लौट गया।

5. यहाँ कुछ शब्द दिए जा रहे हैं।

सत्तू, रस्सी, मिट्टी,

अब अपने मन से सोचकर और पाठ से खोजकर इस तरह के और शब्द लिखो :

जैसे– गड्डी

.....

.....

.....

.....

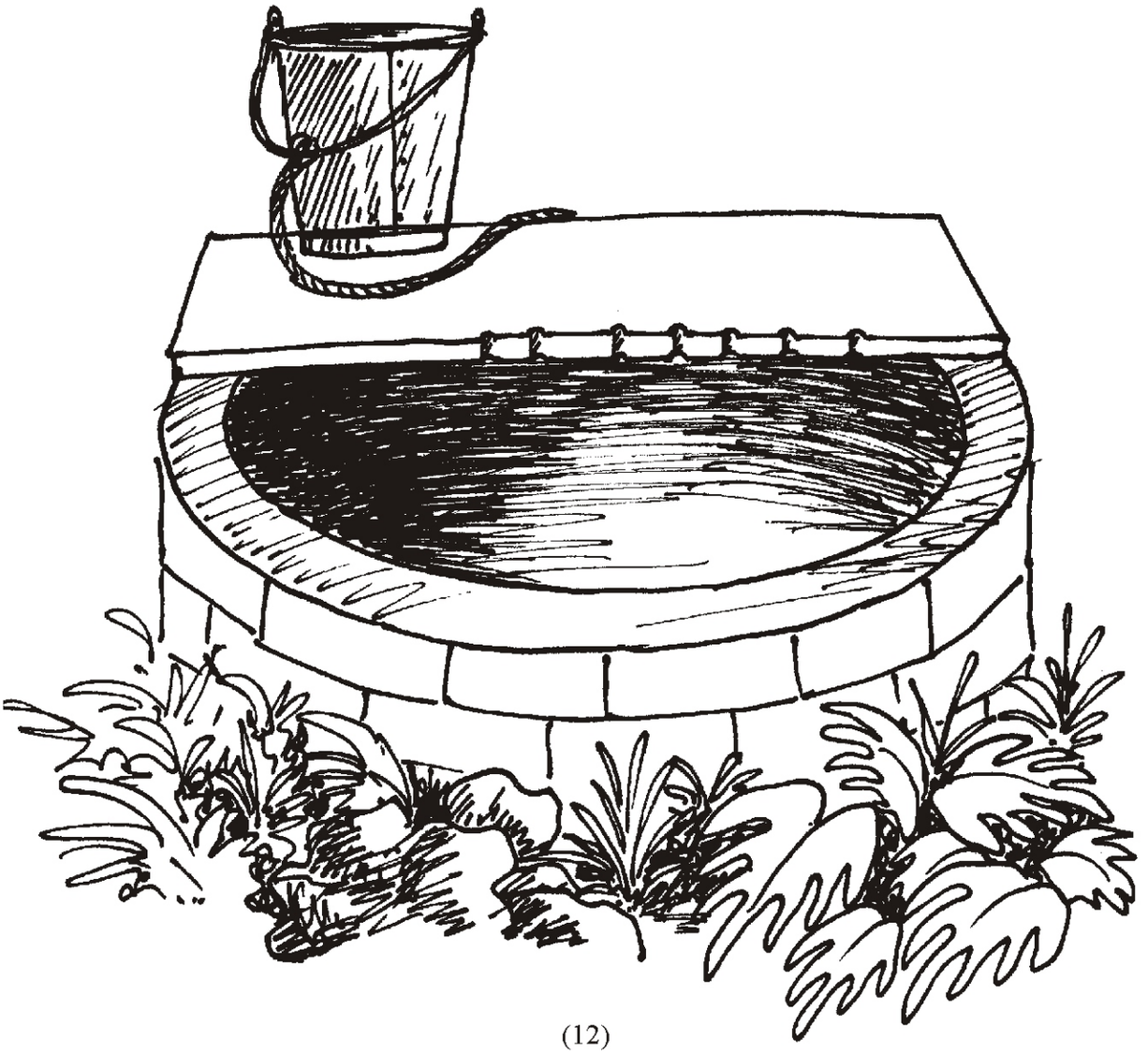

5 खिलाड़ी बादल

पाठ से पूर्व

अ र र र र र र र र र र पानी आया
ह र र र र र र र र र र पानी आया
बादल गरजे घड़ घड़ घड़ घड़
बूंदें बरसी तड़ तड़ तड़ तड़
टीनें बोलीं भड़ भड़ भड़ भड़
अजब शोर है जग में छाया
अ र र र र र र र र र र पानी आया
बिजली चमकी चम चम चम चम
भागो घर को धम धम धम धम
जाकर नाचो छम छम छम छम
झोंका खूब हवा का आया
अ र र र र र र र र र र पानी आया

(दिगन्तर द्वारा प्रकाशित बालगीत शीर्षक किताब से)

अभ्यास

1. बादल आने पर क्या–क्या होता है ?

.....

.....

.....

.....

2. ऊपर कविता में बारिश आने पर होने वाली कुछ आवाजें दी हैं। तुमने बारिश में इनके अलावा भी कुछ आवाजें जरूर सुनी होंगी। उन्हें लिखो :

.....

.....

.....

.....

अभ्यास के आरम्भ में एक अन्य कविता दी हुई है। इसे बच्चों के साथ गाएं और इस पर बातचीत करें। इसके बाद ही पाठ पर जाएं।

अब कविता पढ़ो :

1. बादल कहाँ से आते हैं ? उनमें कौन–कौन से रंग तुमने देखे हैं ?

.....

.....

.....

.....

2. बादल आँख मिचौनी कैसे खेलते है ?

.....

.....

.....

3. अगर कई साल तक बारिश नहीं हो, तब क्या होगा ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. दोनों कविताओं में से ऐसे शब्द खोजो जिनमें (ं) अनुस्वार का इस्तेमाल हुआ हो :

जैसे– चंदा, संग

.....

.....

.....

.....

.....

.....

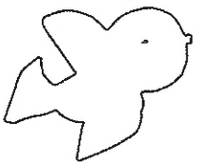

6 स्वस्थ तन सुखी मन

आओ बात करें (पाठ से पूर्व)

कई स्थानों पर पानी की इतनी कमी होती है कि पीने के लिए भी पानी मुश्किल से मिलता है। वे लोग कैसे नहाते होंगे ?

पाठ पढ़ो और करो :

यहाँ कुछ सवाल दिए गये हैं। इनके जवाब लिखो :

1. **हँसने और हँसाने को कब मन करता है ?**

.....

.....

2. **जब तबियत ठीक न हो तो कैसा लगता है ?**

.....

.....

3. **तुम्हारे घर में सफाई कौन करता है ?**

.....

.....

4. **अगर घर में सफाई न हो तो सबसे पहले कौन टोकता है और किसे टोकता है ?**

.....

.....

.....

.....

5. नीचे दो खानों में रोशन और जयदीप के रहने के तरीके के बारे में बातें बताई गई हैं। नीचे एक खाना और दिया गया है, इसमें तुम अपने रहने का तरीका लिखो :

रोशन के रहने का तरीका	जयदीप के रहने का तरीका
रोशन कभी कभी नहाता है लेकिन हमेशा साफ कपड़े पहनता है।	जयदीप रोज नहाता है लेकिन उसके कपड़े गंदे रहते हैं।
रोशन मेले में ठेले की बिना ढंकी चीजें खाने में हिचकता नहीं है।	जयदीप कुछ भी खाने से पहले देखता है कि उसे सफाई से रखा गया है कि नहीं।
रोशन रोज सुबह टहलने जाता है।	जयदीप देर से सो कर उठता है।
रोशन खाने से पहले और बाद में हाथ धोता है।	जयदीप खाने के बाद हाथ धोता है।

तुम्हारे रहने का तरीका

6. पढ़कर समझो। सोचकर लिखो :

तुम्हें क्या खेलने में अच्छा लगता है ? .....

क्या बातें करने में अच्छा लगता है ? .....

क्या पढ़ने में अच्छा लगता है ? .....

कौन सी कसरत करना अच्छा लगता है ? .....

किसका चित्र बनाने में अच्छा लगता है ? .....

7. **सुबह उठने से रात तक हम जो काम करते हैं उनके चित्र नीचे दिए गए हैं। उन्हें अपने क्रम से जमाओ यानी तुम सबसे पहले कौन सा काम करते हो और उसके बाद कौन सा काम करते हो ?**

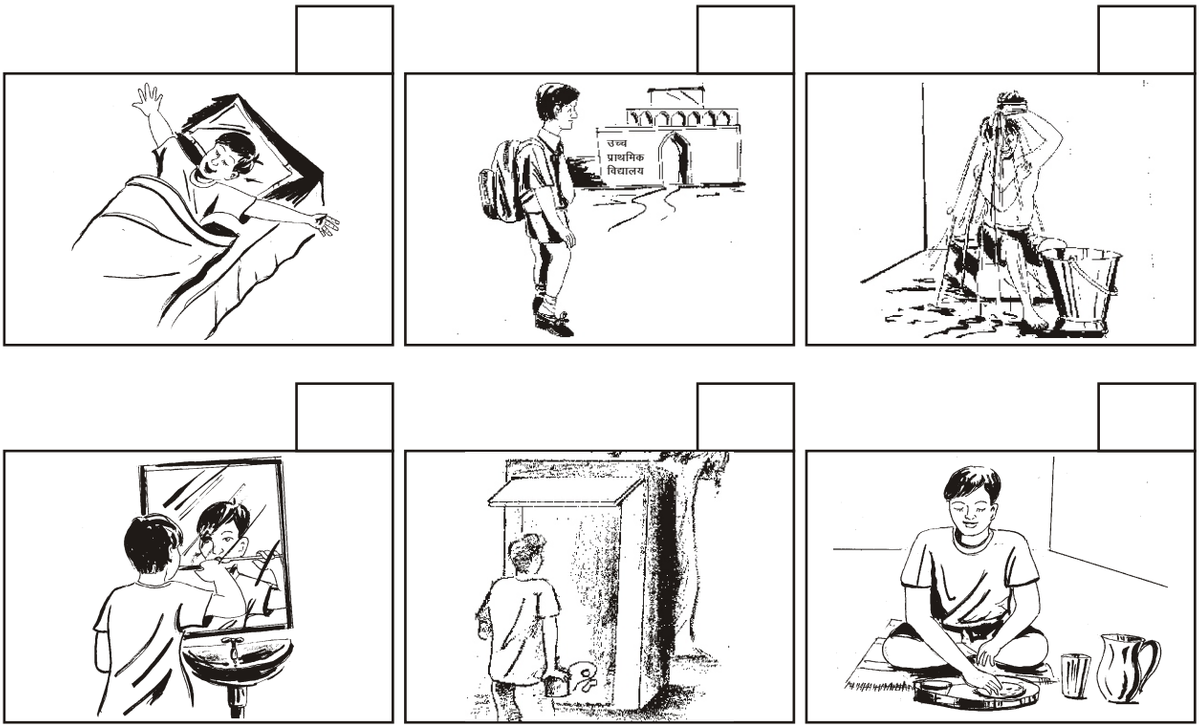

इन कामों के अलावा तुम क्या क्या काम करते हो ? उन्हें नीचे लिखो :

.....

.....

.....

8. **नीचे कुछ वाक्यों में उलटफेर हो गई है, उन्हें ठीक करके लिखो :**

पानी को धोकर पीना चाहिए।

.....

फल और सब्जियों को छान कर खाना चाहिए।

.....

खाना पीने से पहले दूध खाने का मजा ही कुछ और है।

.....

7 समर्पण

सवालों के जवाब लिखो :

1. ''भूख व नींद के कारण उनका व उनके सैनिकों का जोश कम पड़ने लगा'' जब नींद आ रही हो तब काम में मन लगेगा या नहीं ?

.....

.....

2. ''महाराणा प्रताप की बात सुनकर सभी सैनिक एक दूसरे का मुंह देखने लगे''

ऐसा खूब होता है। जैसे–

जब शिक्षक कोई ऐसी बात कहते हैं कि बच्चों को उसका जवाब पता नहीं होता तब सब बच्चे एक दूसरे का मुंह देखने लगते हैं।

जब घर में पिता डांट रहे होते हैं, तब बच्चे और उनकी मां एक दूसरे का मुंह देख रहे होते हैं।

अब ऊपर जैसी बातें तुम भी लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षक बच्चों को निम्न बिन्दुओं पर जानकारी जुटाकर बताएं।

मुगल कौन थे उनके बारे में पता करो।

राजस्थान के उन राजाओं के बारे में पता करो जिन्होंने मुगलों से लड़ाई की।

उन राजाओं के बारे में भी पता करो, जिन्होंने मुगलों से दोस्ती कर ली।

पता करो कि लड़ाईयां क्यों होती थीं?

3. महाराणा प्रताप और उनके सैनिक जंगल में क्या खाते पीते होंगे? कैसे रहते होंगे ?

.....

.....

.....

.....

.....

4. संज्ञा और सर्वनाम छांट कर लिखो :

	संज्ञा	**सर्वनाम**
वे अत्यंत विनम्रता से बोले।	.....	.....
मैंने आजादी के लिए इतने कष्ट सहे हैं।	.....	.....
उन्होंने दुखी मन से चारो ओर देखा।	.....	.....
उनकी आँखों की नींद उड़ गई।	.....	.....

5. **नीचे पाठ के कठिन शब्द दिए गये हैं। साथ ही एक वाक्य में इन शब्दों का प्रयोग किया गया है। वाक्य से उन शब्दों का अर्थ समझो और शब्दों को उसके अर्थ से मिलाओ :**

आजाद मैं अपना काम करने के लिए **आजाद** हूँ।	हमला करना
प्रतिज्ञा प्रताप ने **प्रतिज्ञा** की कि वे कुटिया में रहेंगे।	वह स्थान जहां जन्म हुआ
विश्वासी वह मेरा **विश्वासी** मित्र है।	बहुत ज्यादा, जिसका कोई पार न हो।
अपार समुद्र में **अपार** जल होता है।	किसी बात का निश्चय कर लेना,
आक्रमण भालू ने खरगोश पर **आक्रमण** किया।	जिस पर भरोसा किया जा सके
जन्मभूमि गुजरात गांधी की **जन्मभूमि** है।	जो अपने फैसले खुद कर सके

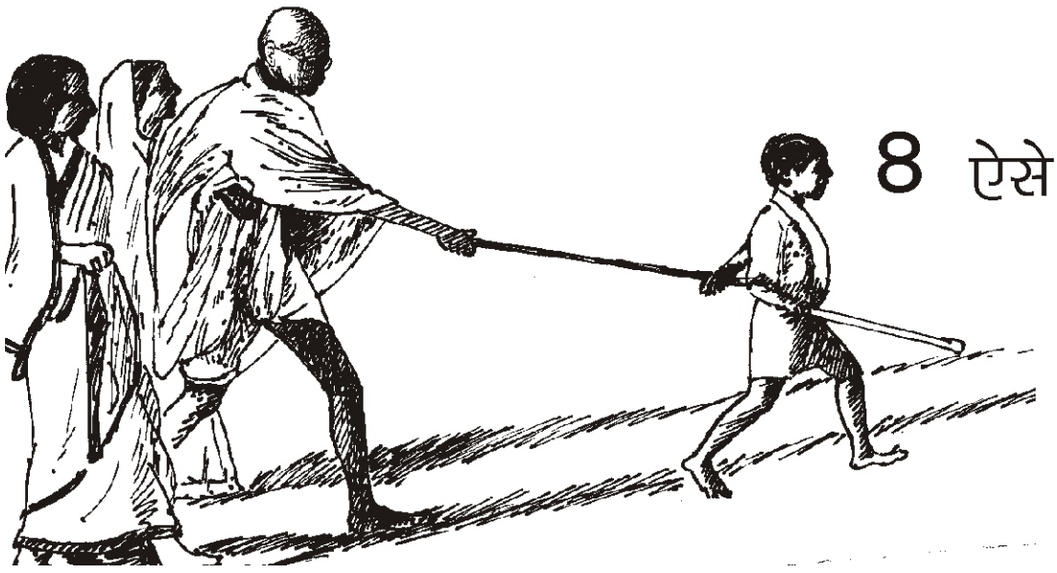

8 ऐसे थे वे लोग

पाठ से पहले...

गांधी की जुबानी

''मैं बहुत ही झेंपू लड़का था। पाठशाला में मुझे बस काम से काम रहता था। घंटा बजते ही स्कूल पंहुच जाना और शाला बन्द होते ही घर भागना। भागना शब्द मैं जानबूझ कर इस्तेमाल कर रहा हूँ कारण यह कि मुझे किसी से बात करना नहीं रुचता था। कोई मेरा मजाक न उड़ाये, यह भी डर बना रहता था।''

(आत्मकथा के पेज 17–18 से)

शिक्षक के लिए

शिक्षक पाठ को पढ़ाने से पहले गांधी और उनके आश्रम के बारे में बातचीत करें।

अपने आस पास के माहौल में भी यदि कोई ऐसा व्यक्ति हो जो दूसरों की मदद करता हो उसके बारे में भी बात करें।

धन से सहायता करने और अपनी मेहनत से दूसरों की सहायता करने का अर्थ भी बताएं।

इसी प्रकार डॉ जाकिर हुसैन के बारे में सामान्य परिचय देते हुए एक शिक्षक की जिम्मेदारियों पर बातचीत करें।

बच्चों से पूछें कि उन्हें कोई बात कब बेहतर समझ में आती है? जब मार कर या डांट कर कही जाय या फिर समझाकर कही जाने वाली बात। बच्चों से इस बिन्दु पर भी बात करें कि क्या कोई काम करने से कोई बड़ा या छोटा हो जाता है, या नहीं।

पाठ को पढ़ाने से पहले गांधी जी और जाकिर हुसैन के बारे में दी गई जानकारी को भी महत्वपूर्ण मानते हुए बताएं।

पाठ को पढ़ाते समय कठिन शब्दों और पदों को स्पष्ट करते चलें।

अभ्यास में कई प्रश्न मौलिक चिंतन को बढ़ावा देने के लिए हैं, इनके जवाब हमेशा सही या गलत के दायरे में नहीं रखे जा सकते। इन प्रश्नों का प्रयोजन चिंतन, विशलेषण और मौलिकता को विकसित करना है।

अपेक्षा है कि बच्चे प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में दें। प्रश्नों के अपने उत्तर बनाने में शिक्षक बच्चों की बातचीत के माध्यम से मदद करें।

बा का पूरा नाम कस्तूर बाई था। बा गुजराती भाषा में मां के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

''रेखागणित चौथे दर्जे से शुरू होता था। उसमें तो मैं यों ही पीछे था। अंग्रेजी में पढ़ाए जाने की वजह से मैं उसे बिल्कुल ही समझ नहीं पाता था। रेखागणित के अध्यापक समझाने वाले अच्छे थे पर मेरे दिमाग में कुछ घुसता ही न था। अक्सर मैं निराश हो जाता था।''

(आत्मकथा के पेज 27 से)

अभ्यास पाठ के बाद

1. नीचे दिए हुए अंश को पढ़ो और प्रश्नों के उत्तर दो :

यह सुनकर बापू की आंखों में आंसू आ गये। वे चुपचाप अपनी कुटिया में लौट गये। बार–बार उन्हें बालक की बात याद आती रही। वे सो नहीं पाए। बापू उठे। उसी समय उन्होंने अपने हाथों से रूई धुनी। 'बा' की मदद से दो सूती चादरों को सिला। उसमें रूई भर कर रजाई बनाई। फिर वे रजाई लेकर गौशाला में गए। बालक फटी चादर में लिपटा गहरी नींद में सो रहा था। बापू ने उसको रजाई ओढ़ाई और वापस आ गए।

दूसरे दिन बापू गौशाला में गए। वह बालक उनके पास आया और हाथ जोड़कर बोला, '''बापू, रात को मुझे बहुत अच्छी नींद आई।'' बालक की बात सुनकर गांधीजी बहुत प्रसन्न हुए।

(क) बापू ने रजाई बनाने में कौन–कौन सी चीजें इस्तेमाल में लीं ?

.....

.....

.....

(ख) बच्चा गौशाला में क्यों रहता था ? सोचो और बताओ :

.....

.....

.....

(ग) बापू गौशाला में क्यों गये होंगे ? सोचकर बताओ :

.....

.....

.....

(घ) सोचो, बापू को रजाई बनाने में कितना समय लगा होगा ?

.....

.....

.....

2. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो। इनमें कुछ शब्द मोटे अक्षरों में दिए हुए हैं। पाठ में उनका अर्थ देखो और उन्हें आगे बढ़ाते हुए दो वाक्य अपने मन से लिखो :

(क) **कड़ाके की सर्दी** पड़ रही थी। मेरे दांत बज रहे थे।

.....

.....

(ख) **झमाझम बारिश** हो रही थी। मैं घर जा रहा था।

.....

.....

(ग) **तपती गर्मी** में मैं स्कूल जाता था।

.....

.....

3. डॉ. जाकिर हुसैन ने रशीद की टोपी धोकर उसे दे दी। क्या तुम समझते हो उन्होंने ठीक किया ?

.....

.....

4. सोचो, अगर कोई बच्चा कभी मैले कपड़े पहन कर स्कूल आये तो उसके साथ क्या हो सकता है ?

.....

.....

.....

5. मान लो कि तुम शिक्षक हो और तुम्हारी कक्षा में एक बच्चा मैले कपड़े पहन कर आया है। बताओ तुम क्या करोगे ?

.....

.....

.....

6. क्या तुमने कभी किसी की मदद की है ? अगर हाँ, तो बताओ कब और कैसे ?

.....

.....

.....

.....

7. क्या किसी ने तुम्हारी मदद की है ? अगर हाँ, तो बताओ कब और कैसे ?

.....

.....

.....

9 काम दूसरों के हम आएं

पाठ से पहले

1. नीचे एक कहानी दी हुई है उसे पढ़ो।

एक चींटी को प्यास लगी थी। वह नदी पर गई। इसी वक्त जोर की हवा चली और लहर आई। वह डूबने लगी। एक कबूतरी चोंच में एक पत्ता लेकर उड़ी चली जा रही थी। उसने देखा कि चींटी डूब रही है। उसे बचाने के लिए उसने पत्ता नीचे फेंक दिया। चींटी उस पर चढ़ गई। कबूतरी ने चोंच में दबा कर पत्ता पानी से बाहर निकाल लिया। इस तरह चींटी की जान बच गई। कुछ समय बाद वही चींटी जंगल में घूम रही थी। उसने देखा कि एक शिकारी जाल बिछाए बैठा है। उसने कुछ तोतों को जाल की ओर आते देखा। चींटी समझ गई कि शिकारी उन्हीं की ताक में बैठा है। चींटी चुपचाप शिकारी के पास गई और उसके पैर में जोर से काट लिया। शिकारी के मुंह से चीख निकल गई। आवाज सुनकर तोते उड़ गये।

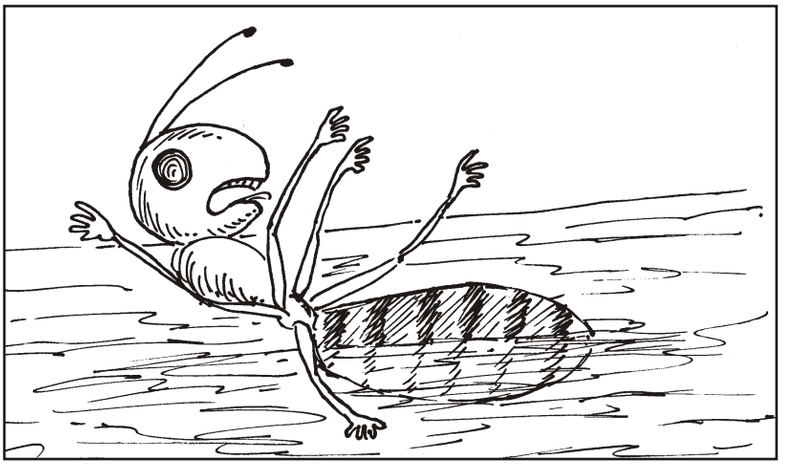

अब सवालों पर बातचीत करो और लिखो :

क. कबूतरी ने चींटी को क्यों बचाया ? उसे क्या पड़ी थी ?

.....

.....

ख. चींटी ने तोतों की सहायता क्यों की ? तोतों ने तो उसकी सहायता नहीं की थी ?

.....

.....

.....

2. मान लो कि तुम नदी के पास हो और तुम्हें तैरना नहीं आता है। तुम पानी पीते वक्त नदी में गिर पड़े हो। बताओ तुम किससे मदद मांगोगे और कैसे मांगोगे ?

.....

.....

.....

3. मान लो कि तुम नदी के पास से गुजर रहे हो और एक बच्चा जिसे तुम नहीं जानते, वह मदद के लिए चिल्ला रहा है। बताओ तुम क्या करोगे ?

.....

.....

.....

4. पाठ पढ़ो और सवालों के जवाब दो :

कविता में कुछ मुहावरे आए हैं। इन्हें अर्थ के साथ नीचे दिया जा रहा है। तुम कविता में से वे लाइनें खोजकर लिखो, जिनमें ये मुहावरे आए हैं :

(क) दुख बांटना– **अर्थ**– दूसरों के दुख को समझना।

.....

.....

(ख) चेहरे पर नूर आना **अर्थ**– चेहरे पर खुशी आ जाना।

.....

.....

(ग) दूसरों के काम आना **अर्थ**– दूसरों की सहायता करना।

.....

.....

.....

5. **पाठ के पहले चित्र में लोग आग बुझा रहे हैं। ध्यान से देखो और लिखो कि कौन क्या कर रहा है ?**

.....

.....

6. **पाठ के दूसरे चित्र को ध्यान से देखो और उसके बाद नीचे दी गई कविता को आगे बढ़ाओ।**

आओ गिने फौजियों की

कितनी मूंछें कितनी टोपी

कितनी आँखें कितने पैर

कहाँ जा रहे करने सैर

.....

.....

.....

.....

.....

.....

7. **कविता में पड़ोसी के कठिनाई में पड़ने पर उसके दुख बांटने की बात की गई है। क्या तुमने अपने किसी पड़ोसी के दुख बांटे हैं ? उसके बारे में बताओ :**

.....

.....

.....

.....

8. क्या तुम्हारे किसी पड़ोसी ने तुम्हारे दुख बांटे हैं ? उसके बारे में बताओ :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

10 स्वर्ण नगरी की सैर

पाठ के बाद

1. तुम जहां रहते हो, क्या वहां से दूर किसी दूसरी जगह घूमने गये हो ? बताओ कहाँ ?

.....

.....

.....

2. तुमने वहां क्या क्या देखा ?

.....

.....

.....

3. तुम उन जगहों पर कैसे पंहुचे ? बस, ट्रेन या किसी और तरीके से ? अपनी यात्रा के बारे में लिखो :

.....

.....

.....

4. क्या तुमने वहां कोई ऐसी चीज देखी जो तुम्हें याद रही ? उसके बारे में लिखो :

.....

.....

.....

पाठ से पहले (शिक्षक से)

आप जहाँ रहते हैं, वहाँ देखने योग्य जगहों के बारे में बात करें। संभव हो तो बच्चों को घुमाने ले जाएं। वापस आकर 'वहां क्या देखा', 'कैसा लगा' जैसे सवालों पर बात करें।

राजस्थान की ऐसी जगहों के बारे में बातचीत करें, जो घूमने, फिरने और पर्यटन के लिए मशहूर हैं। जैसे उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर वगैरह।

ये जगहें क्यों मशहूर हैं, इस पर भी बात करें।

5. नीचे पाठ का एक हिस्सा दिया हुआ है। उसमें कुछ शब्द छूट गये है। उन्हें खोजकर लिखो :

तैयार होकर हम घूमने ..... । पहले शहर के बीच बने हनुमान ..... पर गये। वहां से ..... का किला सामने ही दिखाई ..... रहा था। हम किला .... गये। किला त्रिभुजाकार पहाड़ी ..... बना हुआ है। अखैपोल ..... का मुख्य दरवाजा है। दरवाजे ..... की सड़क पीले पत्थरों की ..... हुई है। हम मुख्य ..... से सूरजपोल, हवापोल, गणेशपोल होते हुए ..... पर पहुँचे। वहाँ रंगमहल, गजविलास, ... देखे। इन महलों में दीवारों .....की गई खुदाई और ..... चित्र देखने योग्य है।

6. ऊंट और रेगिस्तान का चित्र बनाओ :

7. मान लो तुम्हें कहीं दूर घूमने जाना है। बताओ तुम्हें कौन कौन सी तैयारियां करनी होंगी ?

.....

.....

.....

.....

.....

जो चीजें तुम साथ ले जाना चाहते हो, अब यहां उनकी सूची बनाओ :

8. क्या देखने की चीजें और घूमने के लिए जगहें सिर्फ शहरों में ही होती हैं ? तुम अपने गांव के बारे में सोचो और देखने लायक चीजों और घूमने लायक जगहों के बारे में बताओ :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

9. अपने गाँव की किसी चीज का चित्र बनाओ :

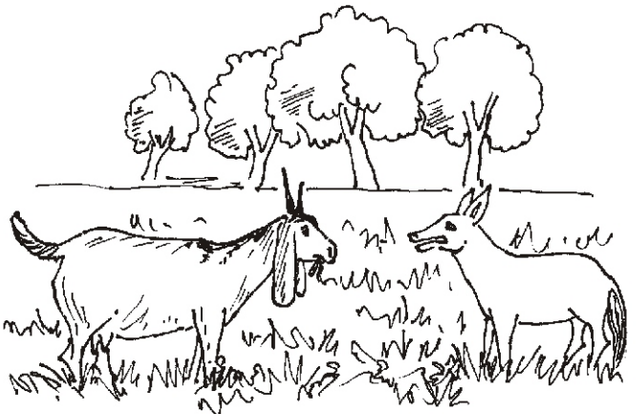

11 कंगदास

पाठ से पहले, इसे पढ़ो :

कुटिलता का फल

एक थी बकरी और एक था सियार। दोनों ने मिलकर घरमेला किया। एक साल मिलकर दोनों ने मोठ की खेती की। खेत की मेंढ़ पर एक मीठे बेर का पेड़ था। सियार हमेशा मेंढ़ वाली बेरी के नीचे बैठा रहता, मीठे बेर खाता। एक दिन बकरी ने उसके पास आकर कहा– सियार भैया, चलो खेत में सूड़ करें। सियार बोला–

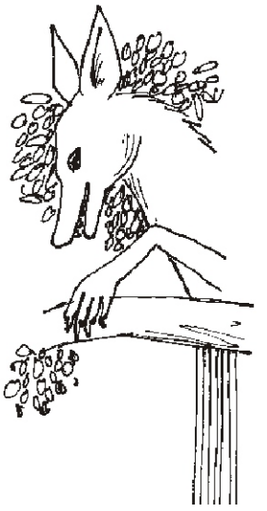

आऊं रे आंऊ, बोरलिया गटकाऊं
दोय च्यार काचा पाका थारै ताईं लाऊं

बेचारी बकरी ने अकेले ही सारे खेत का सूड़ सबाड़ किया। बरसात हुई तब उसने सियार से फिर कहा– सियार भैय्या चलो खेत जोतें, मोठ बोयें। सियार ने तो एक पल के लिए भी वह जगह नहीं छोड़ी। उसके तो मौज की बन आई थी। बोलाः

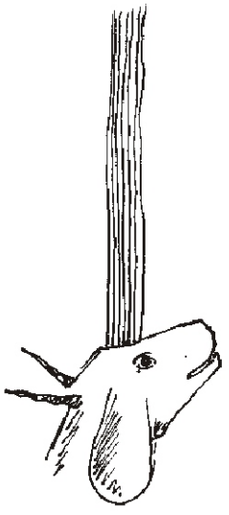

आऊं रे आंऊ, बोरलिया गटकाऊं
दोय च्यार काचा पाका थारै ताईं लाऊं

बेचारी बकरी ने मर खप कर अकेले ही पूरा खेत जोता और अकेले ही मोठ बोया। सियार तो उस घनी छाया से एक कदम भी दूर न हुआ। देखते देखते खेत में मोठ की हरियाली दिखाई देने लगी। पौधे झूमने लगे। बकरी ने फिर सियार से कहा– सियार भैय्या चलो खेत खरपतवार से भर गया है, चलो निराई करें। सियार बोला–

आऊं रे आंऊ, बोरलिया गटकाऊं
दोय च्यार काचा पाका थारै ताईं लाऊं

शिक्षक ऊपर दी हुई कहानी पढ़कर बच्चों को सुनाएं। और उसके बाद नीचे दिए हुए मुद्दों पर बातचीत करें

क्या बकरी ने ठीक किया ?

तुम अगर बकरी की जगह होते तो क्या करते ?

इसके बाद पाठ्य पुस्तक की कहानी कंगदास को मौखिक रूप से सुनाएं। फिर पाठ पर काम करें। बच्चों को कहानी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

दोनों कहानियों पर बातचीत करें, उसके अन्तर पर बात करें।

बकरी ने नम्रता से कहा– सियार भैय्या, यों निठल्ले बैठने से कैसे पार पड़ेगा ? साझे की खेती है, पूरी मेहनत के साथ काम करना चाहिए। बेचारी बकरी की उसके सामने औकात ही क्या थी। सियार बोला– खाली निठल्ला तो मैं भी नहीं बैठा। रात दिन बेर की टहनियों पर बैठा खेत की रखवाली करता हूँ। इतने दिन हुए आँख भी नहीं झपकाई।

बेचारी बकरी ने अकेले ही सारे खेत की निराई की और अकेले ही सारे खेत को हला। देखते–देखते मोठ तो बकरी के सींगों जितनी ऊंची होकर लहलहाने लगी। लम्बी–लम्बी फलियां लग गईं। बेचारी बकरी बड़ी ही नेक थी। फिर सियार के पास गई और बोली– सियार भैय्या, चलो खेत का हिस्सा कर लें। पहल तुम्हारी, जो चाहो सो अटोप लो। बाकी मेरे लिए चरने को छोड़ दो।

लेकिन सियार तो ठहरा कपटी। आँखें निकाल कर बोला– आई खेत का हिस्सा करने! तेरे हिए तो नहीं फूट गये। अगर मैं दिन रात बिना आँख झपकाए खेत की रखवाली नहीं करता तो मोठ का एक पौधा भी देखना मुशकिल था। जगने से मेरी आँखें तो लाल बम होने को आईं और तुम्हें हिस्से की पड़ी है।

बकरी ने सोचा यह तो बुरा हुआ। बोली– सियार भैय्या, अगर मैं खेत में मेहनत करके मोठ न बोती, उसकी निराई न करती, तो तुम किसकी रखवाली करते। थोड़ा तो ख्याल करो।

सियार आँखें तरेर कर बकरी पर झपटा। बोला– मुझसे जबान लड़ाती है, तेरी मौत तो नहीं आई। बेचारी बकरी अपनी जान बचाकर भागी। सियार के आगे बकरी का क्या जोर चलता। मुंह लटकाए उदास मन से रास्ते चलती रही और आँसू बहाती रही। रास्ते में उसे एक कुतिया मिली। उसके आजू–बाजू उसके छोटे–छोटे बच्चे लगे हुए थे। वे भूखे थे। बकरी ने कुछ सोच कर कहा– तू अपने दो बच्चे मुझे दे दे। मैं इन्हें खूब दूध पिला कर मोटा तगड़ा कर दूंगी। कुतिया तुरन्त मान गई।

बकरी दो नन्हें नन्हें पिल्लों को लेकर जंगल चली गई। वहाँ वह बेर खाती, पत्ते खाती, और मजे से बच्चों को दूध पिलाती। पिल्ले देखते–देखते बड़े और मोटे–मोटे कुत्ते बन गये। एक दिन बकरी कुत्तों को एक खारी में रख उसे अपने सींगों पर उठाकर मोठ के खेत की ओर चल पड़ी। मेढ़ पर खारी को रख दोनों कुत्तों को ढंक दिया और खुद निडर होकर खेत में घुस गई और भचर–भचर मोठ चरने लगी। सियार ने बकरी को इस तरह चरते देखा तो उसे वह तीर की तरह बकरी की ओर भागा। बकरी को दुत्कारते हुए बोला– बेशर्म, तुझे थोड़ी भी शर्म नहीं। कितना मना किया फिर भी मेरे खेत को नुकसान करने आ गई। तू अपने किए ही मरेगी। यह कहकर सियार बकरी पर झपटा। बकरी तुरन्त खारी की ओर दौड़ी। और खारी को उलट दिया। इसके बाद दोनों कुत्ते बाघ की तरह सियार पर टूट पड़े। कुत्तों को देखते ही सियार की सिट्टी–पिट्टी गुम हो गई। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहाँ से भाग गया।

विजय दान देथा की कहानी कुटिलता का फल का सरल रूपान्तर (अनोखा पेड़, रूपायन संस्थान, बोरुन्दा, पेज 67–71,)

पाठ के बाद

1. कंगदास कहानी में चिड़िया कौए से बदला खुद नहीं ले पाती। ये तुम्हें कैसा लगा और क्यों ?

.....

.....

.....

.....

2. कुटिलता का फल कहानी में बकरी खुद सियार से बदला लेती है। ये तुम्हें कैसा लगा और क्यों ?

.....

.....

.....

.....

3. कौआ जिसके भी पास जाता है, वही उससे बहाना बनाता है। क्यों ?

.....

.....

.....

4. मान लो कि तुमने मेहनत करके कोई काम किया लेकिन उसका फायदा कोई और उठाता है तो तुम्हें कैसा लगेगा ?

.....

.....

.....

.....

5. वे शब्द जिनसे किसी चीज, जगह या प्राणी की पहचान होती है, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

जैसे–

चीज– मेज, कुर्सी, दरी, भोजन,

जगह– जयपुर, दिल्ली, जोधपुर, नदी, कक्षा, स्कूल

प्राणी– रमेश, लड़की, गुरुजी, मित्र, भेड़, बकरी, गाय

अब नीचे जो शब्द दिए हुए हैं, उन्हें चीज, जगह और व्यक्ति के नाम के आधार पर छांट कर दी हुई तालिका में लिखो :

फसल, चिड़िया, अनाज, घोंसला, खेत, रोटी, मटका, कंगदास, मिट्टी, सागर, लुहार,

चीजें	जगह	प्राणी का नाम

सभी तरह के नाम संज्ञा होते हैं

मेज	**कुर्सी**	**दरी**	**लड़की**
मेज	**चीता**	**खरगोश**	**मटका**
रोटी	**कुदाल**	**चिड़िया**	

12 नया उत्साह

1. क्या तुम कभी कक्षा में रोए हो ? तुम्हें किसने चुप कराया ?

.....

.....

.....

.....

2. जब तुम्हारे स्कूल में कोई बच्चा रोता है, तो बच्चे और शिक्षक क्या–क्या करते हैं ?

.....

.....

.....

.....

3. पाठ में कक्षा का एक चित्र दिया गया है। इसे देखो इसमें कक्षा में लड़के एक तरफ और दूसरी तरफ लड़कियां बैठी हैं। अगर तुम शिक्षक होते तो तुम बच्चों को कैसे बैठाते ?

.....

.....

.....

.....

4. क्या तुम्हारे कभी चोट लगी है ? अगर हाँ, तो उस घटना के बारे में लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

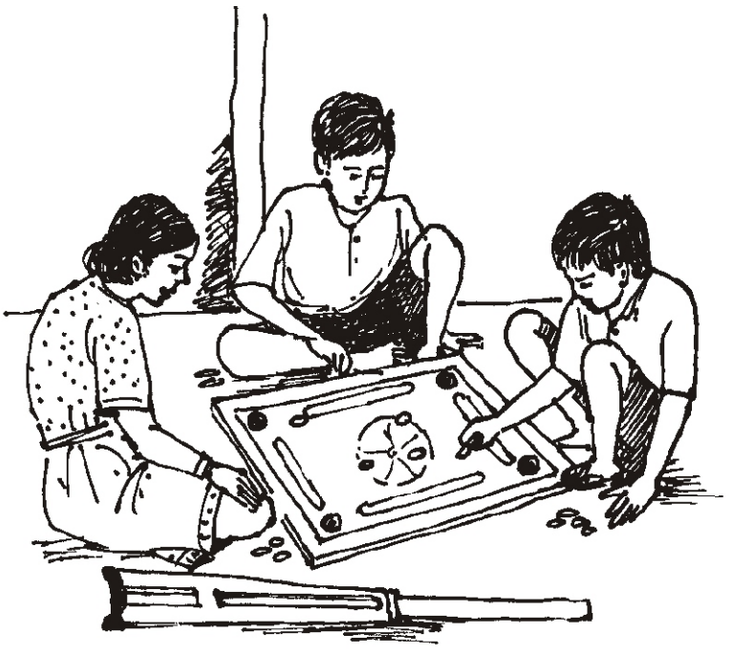

.....

.....

.....

.....

5. तुम्हारे हिसाब से इस पाठ का शीर्षक क्या हो सकता है ?

.....

.....

.....

.....

6. तुम्हारी पुस्तक के अन्त में एक शब्दकोश दिया हुआ है। यहाँ कुछ शब्द दिए हुए हैं। शब्दकोश में उनके अर्थ खोजकर लिखो :

1	अनुपस्थित	
2	हौसला	
3	असहयोग	
4	आदर्श	
5	जिज्ञासा	
6	गौशाला	
7	सहानुभूति	

7. तुम्हारे हिसाब से कौन सी बातें कहने या करने से मोहिनी को अच्छा लगेगा ? उन पर निशान लगाओ :

1 आओ मोहिनी! चलो खेलें। ☐

2 मोहिनी! देखो मैंने नयी किताब खरीदी है। ☐

3 मोहिनी! आज मेरे घर आना। मेरी बिल्ली ने दो बच्चे दिए हैं। ☐

4 मोहिनी! चलो बाहर मिट्टी का घर बनाते हैं। ☐

13 नीति के दोहे

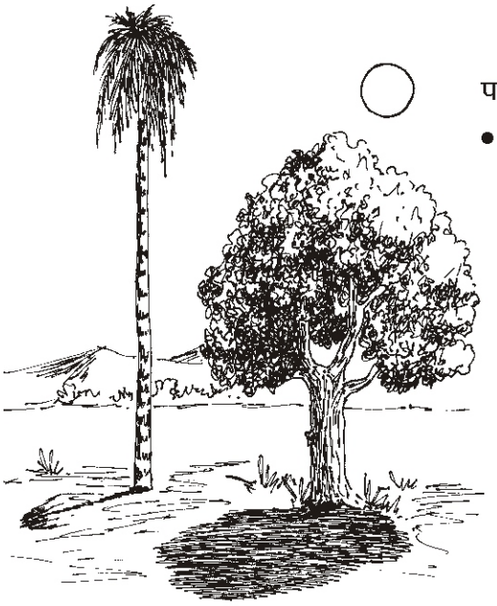

पाठ से पहले

- कबीर और रहीम के बारे में बताएं। उनके कुछ दोहे भी सुनाएं। जैसे–

रूठे सुजन मनाइये जो रूठे सौ बार,
रहिमन पुनि पुनि पोइये टूटे मुक्ताहार।
रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चटिकाय,
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गांठ पड़ि जाय।
कांकर पाथर जोरि कै मसजिद लई बनाय,
ता चढ़ि मुल्ला बांग दै का बहिरा हुआ खुदाय।
पाथर पूजै हरि मिलै तो मैं पूजुं पहार,
यातै तो चाकी भली, पीस खाय संसार।
तरुवर फल नहिं खात है, नदी न संचै नीर
परमारथ के कारनै, साधुन धर्‌यो सरीर।
बकरी पाती खात है ताकी काढ़ी खाल
जो जन बकरी खात हैं ताको कौन हवाल।

पाठ के बाद अभ्यास

1. तुम्हें नीम की छाया पसन्द है या खजूर की ? क्यों ?

.....

.....

.....

2. हीरा अपनी तारीफ खुद नहीं करता। तुम भी अपनी तारीफ खुद नहीं करते होगे। क्यों ?

.....

.....

.....

3. तुम जिनकी तारीफ करते हो, अगर वे अपनी तारीफ खुद करने लगें, तो तुम्हें कैसा लगेगा ?

.....

.....

.....

4. ''बोलना अनमोल है। कुछ भी बोलने से पहले सोचना चाहिए। उसको मन में तौलना चाहिए कि उससे किसी को बुरा तो नहीं लगेगा।'' पाठ में से छांटकर वह दोहा लिखो जिसमें यह बात कही गई है।

.....

.....

.....

.....

5. एक दोहे में कहा गया है कि 'झूठ बराबर पाप' यानी झूठ के बराबर कोई दूसरा पाप नहीं है। क्या तुम ऐसे किसी आदमी को जानते हो जो झूठ नहीं बोलता ?

.....

.....

6. तुम्हें जो दोहा सबसे अच्छा लगा हो उसे नीचे लिखो। और यह भी बताओ कि क्यों अच्छा लगा ?

.....

.....

.....

.....

.....

7. तुम्हारे हिसाब से दोहे कविता हैं या कहानी ? कारण सहित बताओ :

.....

.....

.....

.....

14 शिल्प ग्राम

पाठ के बाद अभ्यास

1. **हस्तशिल्प का अर्थ होता है, हाथ से चीजें बनाना। बताओ हाथ से क्या क्या बनाया जा सकता है ?**

.....

.....

.....

.....

2. **तुम्हारे गांव में क्या–क्या चीजें बनती हैं ? पता करके नीचे लिखो :**

.....

.....

.....

.....

3. **पाठ में अलग अलग जगहों की हाथ की बनी चीजों के बारे में बताया गया है। तुम भी अपने हाथों से कुछ बनाओ। जैसे– कोई खिलौना, लट्टू, कठपुतली, गुड़िया, ऊँटगाड़ी। इनके अलावा भी तुम अपने मन से कोई चीज बना सकते हो।**

शिक्षक बच्चों से कहें कि वे अपने घर से हाथ की बनी कोई एक चीज लेकर आएं। जैसे खिलौने, लट्टू, हाथ का पंखा, आदि। शिक्षक उनको इकट्ठा करके रखें और बच्चों से बात करें कि हाथ की कारीगरी से बनी चीजें हस्तशिल्प कहलाती हैं।
हस्तशिल्प से बनी चीजों के बारे में बताएं और संभव हो तो आस पास रहने वाले किसी लोक कलाकार से मिलवाएं। उनकी बनी चीजें दिखाकर बात करें। मिट्टी की आकृतियां बनाने के लिए प्रेरित करें।

4. पाठ में कई चीजों के बारे में बताया गया है। इनमें से कुछ चीजें तुमने अपने आस–पास भी देखी होगीं। जो चीजें तुमने देखी हों, उन पर सही ( ) का निशान लगाओ :

1	बजाने में काम ली जाने वाली चीजें	
2	झोपड़ियां	
3	दीवारों पर बने माँडने	
4	मछली पकड़ने का जाल	
5	नौका	
6	खेती में काम आने वाले औजार	
7	मिट्टी और पत्थर से बनी मूर्तियां	
8	खेत में काम करने वाले औजार	